देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 211 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

पेज श्री

देहरादून, गुरूवार, 28 नवंबर 2024

विचार–प्रवाह...
संतुलन और सख्ती

मौसम | अधिकतम 22.0° | न्यूनतम 11.0° | 79924.77

2 बुशरा बीबी पर बरसी शहबाज सरकार | 7 गिल पिंक बॉल मैच से बाहर!

मुझे सीएम बनने की लालसा नहीं: शिंदे

पीएम मोदी और अमित शाह का फैसला मंजूर, एकनाथ शिंदे ने साफ किया रुख

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना शिंदे गुट के प्रमुख एकनाथ शिंदे ने बुधवार को सीएम पद को लेकर चल रही चर्चाओं को विराम दे दिया। उन्होंने कहा कि मेरे मन में सीएम बनने की लालसा नहीं है। पीएम मोदी और अमित शाह जो भी निर्णय लेंगे मुझे मंजूर होगा। सरकार बनाते समय मेरी तरफ से कोई अड़चन नहीं आएगी। मैं चट्टान की तरह साथ खड़ा हूं। भाजपा की बैठक में जो भी निर्णय लिया जाएगा, हमें मान्य होगा। भाजपा का सीएम मुझे मंजूर है।

एकनाथ शिंदे ने कहा कि पिछले ढाई साल में पीएम मोदी और अमित शाह ने मेरा पूरा सहयोग किया। अमित शाह और पीएम मोदी ने बालासाहेब ठाकरे के एक आम शिवसैनिक को सीएम बनाने के सपने को पूरा किया है। वे हमेशा मेरे साथ खड़े रहे हैं। उन्होंने मुझ पर विश्वास किया। मुझे मुख्यमंत्री बनाया और बड़ी जिम्मेदारी दी। मैं रोने वालों और लड़ने वालों में से नहीं हूं। मैं भागने वाला नहीं समाधान करने वाला व्यक्ति हूं। हम मिलकर काम करने वाले लोग हैं। ढाई साल तक हमने खूब काम किया है। महाराष्ट्र में विकास की रफ्तार बढ़ी है। हमने हर वर्ग की भलाई के लिए काम किया।

एकनाथ शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र में महायुति को बहुमत मिला है। मैं जनता को धन्यवाद देता हूं। जनता ने महायुति पर विश्वास जताया है। विकास की योजनाओं को समर्थन मिला है। आम आदमी को कहां–कहां दिक्कत आती है, मैं समझता हूं। हमने लाडली बहन योजना पर काम शुरू किया। मैं लाडली बहनों का लाडला भाई हूं।

उन्होंने कहा कि अगर मेरी वजह से महाराष्ट्र में सरकार बनाने में कोई समस्या आती है, तो पीएम मोदी और अमित शाह अपने में कोई संदेह न लाएं और आप जो भी फैसला लेंगे, वह मुझे मंजूर है। आप हमारे परिवार के मुखिया हैं। जिस तरह से भाजपा के लोग आपके फैसले को स्वीकार करते हैं, हम भी उसी तरह से आपके फैसले को स्वीकार करेंगे। मैंने कल पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को फोन किया और उन्हें बताया कि मेरी वजह से सरकार बनाने में कोई समस्या नहीं होगी।

महाराष्ट्र में चुनाव हार चुके उम्मीदवारों की मांग

माना जा रहा है कि भाजपा सीएम के तौर पर देवेंद्र फडणवीस के नाम पर मुहर लगा सकती है। बता दें कि महायुति गठबंधन ने हालिया विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया। इसने 288 में से 230 सीट पर जीत दर्ज की है। भाजपा ने सबसे ज्यादा 132, शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना ने 57 और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने 41 सीटें हासिल की हैं।

मैंने कार्यकर्ता के तौर पर काम किया

महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि चुनाव में हमें जनता का प्यार और भरोसा मिला। इसके लिए मैं सबका दिल से धन्यवाद करता हूं। हमने लाडकी बहीण योजना पर बहुत अच्छे से काम किया। मैंने हमेशा एक कार्यकर्ता के तौर पर काम किया है। मैंने कभी खुद को मुख्यमंत्री नहीं माना। सीएम का मतलब आम आदमी होता है, मैंने यही सोचकर काम किया। हमें लोगों के लिए काम करना चाहिए। मैंने नागरिकों का दर्द देखा है, उन्होंने कैसे अपना घर चलाया। महाराष्ट्र की समस्याओं को दूर करने की कोशिश की है। हमारे काम का नतीजा दिख रहा है।

शिंदे भाजपा नेतृत्व को समझ नहीं पा रहेः कांग्रेस

महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने कहा कि महाराष्ट्र के कार्यवाहक सीएम और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे समझ नहीं पा रहे हैं कि भाजपा नेतृत्व क्या है। सीएम चेहरे की घोषणा में देरी के पीछे एक बड़ा कारण है। ईवीएम–बैलेट पेपर मुद्दे पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने घोषणा की है कि हम बैलेट पेपर से मतदान बहाल करने के लिए अपनी आवाज उठाएंगे। महाराष्ट्र में हस्ताक्षर अभियान शुरू किया जाएगा। महाराष्ट्र में नए सीएम के चयन को लेकर महायुति में फैसला लेने में हो रही देरी पर विपक्ष ने सवाल उठाए थे।

संक्षिप्त समाचार

चीन के कर्जे में दबकर बिगड़ती जा रही कई देशों की स्थितिः जयशंकर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते आक्रामक रवैये को लेकर पूरी दुनिया में चिंता है। यहां उन्होंने चीन का नाम तो सीधे तौर पर नहीं लिया, लेकिन यह बात स्पष्ट है कि इस क्षेत्र के कई देश चीन व कुछ वैश्विक संस्थानों के कर्ज में डूब चुके हैं और उनकी स्थिति दिनों दिन बिगड़ती जा रही है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता सीएम पद पर निर्णय लेंगेः फडणवीस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज मुंबई। महाराष्ट्र में नए मुख्यमंत्री को लेकर चल रहे सियासी घमासान के बीच एकनाथ शिंदे के बयान के बाद देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महायुति में कभी भी एक–दूसरे के प्रति मतभेद नहीं रहा। हमने चुनाव से पहले कहा था कि चुनाव के बाद हम मुख्यमंत्री पद के बारे में सामूहिक रूप से निर्णय लेंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्यमंत्री पद के बारे में जो भी निर्णय लेंगे, उनके उम्मीदवार को शिवसेना का पूरा समर्थन रहेगा।

आपको लगता है कि अडानी आरोपों को स्वीकार कर लेंगे?

अडानी मामले में राहुल गांधी ने केंद्र पर साधा निशाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि अडानी समूह उद्योगपति गौतम अडानी से जुड़े अमेरिकी अदालत द्वारा लगाए गए आरोपों से इनकार करेगा। बता दें कि राहुल गांधी ने इन आरोपों के संबंध में गिरफ्तारी की भी मांग की।

दरअसल, अडानी ग्रुप एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने आज स्टॉक एक्सचेंजों को दी गई सूचना में समूह के संस्थापक और अध्यक्ष गौतम अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी और अडानी ग्रीन एनर्जी के एमडी और सीईओ विनीत जैन के खिलाफ अमेरिकी न्याय विभाग और अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग द्वारा लगाए गए रिश्वतखोरी के आरोपों का खंडन किया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि आपको लगता है कि अडानी आरोपों को स्वीकार कर लेंगे? जाहिर है, वह आरोपों से इनकार करेंगे। मुद्दा यह है कि उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए, जैसा कि हमने कहा है। आज लोगों को मामूली आरोपों के लिए गिरफ्तार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अडाणी पर अमेरिका में हजारों करोड़ रुपये का आरोप है। इसी के साथ राहुल गांधी ने केंद्र की सरकार पर अडाणी को बचाने का आरोप भी लगाया।

गौरतलब है कि अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड की ओर से एक बयान जारी किया गया है। इस बयान में कहा गया कि मीडिया में छपे लेखों में कहा गया है कि हमारे कुछ निदेशकों गौतम अडानी, सागर अडानी और विनीत जैन पर अभियोग में एफसीपीए) के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है।

लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित

शीतकालीन सत्र के दौरान संसद में भारी हंगामा देखने को मिल रहा है। बुधवार को जैसे ही लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही शुरू हुई विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया। विपक्ष के सांसदों के हंगामे के कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष लगातार संसद में संभल में हुए उपद्रव और अडाणी से जुड़े मामले में चर्चा की मांग कर रहा है।

अब अजमेर दरगाह शरीफ का होगा सर्वे!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अजमेर। यूपी के संभल में स्थित जामा मस्जिद के बाद अब राजस्थान के अजमेर में दरगाह शरीफ में सर्वे का रास्ता साफ हो गया है। निचली अदालत ने हिंदू पक्ष की उस याचिका को स्वीकार कर लिया है, जिसमें अजमेर शरीफ दरगाह को हिंदू मंदिर बताया गया है। याचिका हिन्दू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की ओर से दायर की गई थी। बताया जा रहा है कि हिंदू पक्ष ने याचिका के साथ ही सबूत भी पेश किया गया है। याचिका में उस जगह पर पूजा करने की अनुमति मांगी गई है। साथ ही पुरातत्व विभाग द्वारा सर्वे किए जाने की भी मांग की गई है।

बता दें कि इससे पहले मामले में मंगलवार को भी सुनवाई हुई थी। अदालत ने 27 नवंबर की तारीख तय की थी। दरगाह में शिव मंदिर होने का दावा किया गया है। बताया जा रहा है कि पिछली सुनवाई के दौरान सबूत के तौर पर एक खास किताब पेश की गई। किताब में दावा किया गया कि वहां एक हिंदू मंदिर था। इससे पहले, हिंदू सेना की तरफ से मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष याचिका पेश की गई थी। हालांकि, न्यायाधीश प्रीतम सिंह ने ये कहकर सुनवाई से इनकार कर दिया था कि यह उनके क्षेत्राधिकार से बाहर है।

सर्वे

■अदालत ने स्वीकार की हिंदू पक्ष की याचिका

हिंदू पक्ष का दावा

दरगाह की जमीन पर पहले भगवान शिव का मंदिर था। मंदिर में पूजा और जलाभिषेक होता था। याचिका में अजमेर निवासी हर विलास शारदा द्वारा वर्ष 1911 में लिखी पुस्तक का हवाला। पुस्तक में दरगाह के स्थान पर मंदिर का जिक्र। दरगाह परिसर में मौजूद 75 फीट लंबे बुलंद दरवाजे के निर्माण में मंदिर के मलबे के अंश।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

संभल हिंसा में शामिल उपद्रवियों के 45 पोस्टर जारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

संभल। संभल जिले में बीते रविवार को सर्वे के दौरान हिंसा फैलाने वाले उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। संभल जिला पुलिस ने हिंसा के दौरान सीसीटीवी में कैद उपद्रवियों के 45 पोस्टर जारी किए हैं, जिनमें से कुछ की पहचान भी की जा चुकी है।

पुलिस के अनुसार, संभल हिंसा में हुए नुकसान की भरपाई भी इन्हीं उपद्रवियों से की जाएगी। जानकारी मिली है कि यदि जरूरी हुआ तो उपद्रवियों पर इनाम भी घोषित किया जाएगा।

संभल पुलिस की ओर से जारी पोस्टर में कुल 45 तस्वीरें दिखाई गई हैं, जिनमें पत्थरबाज और भीड़ को उकसाने का प्रयास कर रहे उपद्रवी नजर आ रहे हैं। यह पोस्टर सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए फुटेज से निकाल कर जारी किया गया है। पोस्टर में कुछ लोगों की पहचान भी हो गई है, जिनके नाम भी लिखे गए हैं। पोस्टर के अनुसार इनकी पहचान के साथ इनके पते की भी जानकारी निकाली जा चुकी है। संभल बवाल मामले में योगी सरकार बड़े एक्शन की तैयारी में है।

■ बड़े एक्शन की तैयारी में योगी सरकार

न्यूज डायरी

हिंदू पुजारी चिन्मय दास की गिरफ्तारी को लेकर हुई झड़प में वकील की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ढाका। बांग्लादेश के बंदरगाह शहर चटगांव में अधिकारियों द्वारा इस्कॉन नेता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी को लेकर हुई झड़पों के बाद मंगलवार को एक वकील की कथित तौर पर हत्या कर दी गई। इसकी जानकारी वकीलों के हवाले से सामने आई है। चटगांव बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नाजिम उद्दीन चौधरी ने एएनआई को फोन पर बताया, चटगांव में वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की हत्या कर दी गई है। उन्होंने कहा, हालांकि, हत्या का मकसद अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। चटगांव बार एसोसिएशन के महासचिव अशरफ हुसैन रज्जाक ने कहा, सैफुल इस्लाम आरिफ की बेरहमी से हत्या कर दी गई। रज्जाक ने कहा, चटगांव बार एसोसिएशन ने अपने सदस्य की हत्या के विरोध में बुधवार को अदालती गतिविधियों को स्थगित करने का फैसला किया है। चटगांव में तनाव के बीच पूरे देश में कानून प्रवर्तन एजेंसियां छ्हाई अलर्ट पर हैं। बांग्लादेश ने चटगांव और राजधानी ढाका में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए हैं। चटगांव में हजारों लोग हिंदू पुजारी चिन्मय ब्रह्मचारी की रिहाई की मांग को लेकर अदालत परिसर में एकत्र हुए हैं। अदालत द्वारा उनकी जमानत याचिका खारिज करने और उन्हें जेल भेजने का आदेश दिए जाने के बाद प्रदर्शनकारियों ने जेल वैन को रोक दिया। पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने उन्हें बाहर निकालने के लिए आंसू के गोले और ध्वनि ग्रेनेड दागे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दो घंटे की झड़प के बाद चिन्मय ब्रह्मचारी को जेल ले जाया गया।

ट्रंप कैबिनेट में नई नियुक्ति चीन के लिए बन सकती खतरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति बनने के बाद से अपनी कैबिनेट में नए लोगों की नियुक्ति कर रहे हैं। इस बीच अब उन्होंने जैमिसन ग्रीर को अपना व्यापार दूत नामित किया है। जैमिसन ग्रीर ने अमेरिकी राष्ट्रपति के आर्थिक एजेंडे को आगे बढ़ाने में एक अहम जिम्मेदारी निभाई है। ट्रंप ने उनके बारे में बताते हुए कहा, जैमिसन ने मेरे पहले कार्यकाल के दौरान गलत शासन को खत्म करने के लिए चीन और अन्य पर टैरिफ लगाने में महत्वपूर्ण रोल प्ले किया है। ट्रम्प ने संयुक्त राज्य अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा के बीच व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए ग्रीर के अनुभव का भी हवाला दिया। ग्रीर हाल ही में लॉ फर्म किंग एंड स्पाल्डिंग में शामिल थे। 2017 से 2021 तक ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान, संयुक्त राज्य अमेरिका ने अरबों डॉलर के आयात पर टैरिफ लगाया – विशेष रूप से चीन और साथ ही अमेरिका के सहयोगियों पर भी। ट्रम्प प्रशासन ने लगभग 300 बिलियन डॉलर के चीनी सामानों पर शुल्क लगाया, क्योंकि वाशिंगटन और बीजिंग बढ़ते टैरिफ युद्ध में लगे हुए थे। बता दें कि लाइटहाइजर उस समय व्यापार वार्ता में अमेरिका के ताकतवर व्यक्ति के रूप में उभरे, क्योंकि उन्होंने बीजिंग की आर्थिक नीतियों में बदलाव के लिए दबाव डाला।

बाबा वेंगा और नास्त्रेदमस की डराने वाली भविष्यवाणी चर्चा में है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। बाबा वेंगा और नास्त्रेदमस ऐसे भविष्यवक्ता हैं, जिनको मानने वाले आज भी मौजूद है। नास्त्रेदमस की भविष्यवाणियों को 500 साल बाद आज भी लोग मानते हैं। अब दोनों की 2025 के लिए एक डराने वाली भविष्यवाणी सामने आई है, जिसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों ने यूरोप में होने वाले खूनी युद्ध, घातक महामारी और राजनीतिक उथल–पुथल की भविष्यवाणी की है। बाबा वेंगा ने चेरनोबिल आपदा और 9–11 के आतंकी हमलों जैसी घटनाओं की कथित तौर पर सटीक भविष्यवाणी की थी। वहीं नास्त्रेदमस ने हिटलर के उदय और लंदन के आग की भविष्यवाणी की थी। रिपोर्ट के मुताबिक बाबा वेंगा और नास्त्रेदमस दोनों ने 2025 में यूरोप में एक विनाशकारी युद्ध की भविष्यवाणी की थी। बाबा वेंगा ने तीसरे विश्वयुद्ध की चेतावनी दी है जो महाद्वीप को नष्ट कर देगा और लोगों को इस कारण पलायन करना पड़ेगा। नास्त्रेदमस ने भी यूरोप में क्रूर युद्ध से जुड़ी भविष्यवाणी की चेतावनी दोहराई है। उन्होंने प्राचीन प्लेग के आने का संकेत दिया, जिसे लेकर उनका कहना है कि यह किसी ज्ञात दुश्मन से ज्यादा विनाशकारी होगा। रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच यह भविष्यवाणियां डराने वाली हैं।

भारी बवाल के बाद इमरान की पार्टी पीटीआई ने खत्म किया मार्च

बवाल

सुरक्षाबलों ने की सख्त कार्रवाई, सैकड़ों प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी के कार्यकर्ताओं ने राजधानी इस्लामाबाद में अपने विरोध प्रदर्शन को समाप्त कर दिया है। पीटीआई समर्थक पूर्व पीएम इमरान खान की रिहाई के लिए आंदोलन कर रहे थे। दो दिनों तक चले इस प्रदर्शन को कंट्रोल करने के लिए इस्लामाबाद में सेना को उतारना पड़ा था। इस मामले पर आंतरिक मंत्रालय द्वारा सुबह– एक बयान जारी किया गया। इस्लामाबाद में कानून प्रवर्तन बल ने मुख्य मार्ग को खाली करा लिया गया है।

वहीं, इस पूरे मामले में पाकिस्तान के गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने संवाददाताओं को बताया कि इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी और अली अमीन गंडापुर सहित इमरान खान की पार्टी के शीर्ष नेता, जो विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे, इलाके से भाग गए।

पीटीआई के कार्यकर्ता इमरान खान की रिहाई के लिए आंदोलन कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने राजधानी इस्लामाबाद में दो दिनों तक प्रदर्शन किया। मंगलवार को ये प्रदर्शन हिंसक हो गया था। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना को बुलाना पड़ा। खबर है कि रात भर की कार्रवाई के बाद पीटीआई के समर्थकों ने अपने प्रदर्शन को वापस ले लिया।

बुधवार को इमरान खान की पार्टी एक सांसद ने एक टेक्स्ट संदेश में लिखा कि पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ ने सरकार की क्रूर कार्रवाई के बाद विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया है। प्रदर्शन मंगलवार को हिंसा का रूप ले लिया। स्थिति नियंत्रण से बाहर जाने लगी, जिसके बाद इस्लामाबाद में सेना को उतारना पड़ा। प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच हुई झड़प में चार सुरक्षा अधिकारियों सहित कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है। प्रदर्शन के दौरान खान के हजारों समर्थकों ने सड़कों पर लगे सुरक्षा बैरिकेडिंग को तोड़ने का प्रयास किया, जिस वजह से सुरक्षाकर्मियों से उनकी झड़प हो गई।

गौरतलब है कि पीटीआई समर्थक मंगलवार को तथाकथित रेड जोन के पास एकत्र हुए थे। इसी दौरान उन्होंने धरना देने की घोषणा की थी। उन्होंने एलान किया था कि इमरान खान की रिहाई तक ये धरना चलेगा। बता दें कि इमरान खान पर भ्रष्टाचार से लेकर सत्ता के दुरुपयोग तक के 150 से अधिक मामले दर्ज हैं। वर्तमान में वह जेल में हैं।

पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने मीडिया से बताया कि तलाशी अभियान अभी जारी है। उन्होंने बताया कि इमरान खान की जेल से रिहाई की मांग को लेकर इस्लामाबाद में धरना देने वाले बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्य प्रदर्शन क्षेत्र को खाली करा लिया गया है और बुधवार को सभी बैरिकेड हटा दिए जाएंगे।

बेलारूसी राष्ट्रपति लुकाशेंको ने शहबाज की बोलती बंद की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने पाकिस्तान का दौरा किया है। लुकाशेंको पाकिस्तान के तीन दिन के दौरे पर इस्लामाबाद पहुंचे थे। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने आर्थिक समेत कई क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर सहमति जताई।

पाक पीएम शहबाज शरीफ ने प्रोटोकॉल तोड़ते हुए इस्लामाबाद में बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको का स्वागत किया और उनको खास दोस्त भी बनाया। वह लुकाशेंको से कश्मीर मुद्दे पर भी भारत विरोधी बयान दिलाना चाहते थे लेकिन उन्होंने शरीफ को झटका देते हुए ऐसा करने से इनकार कर दिया।

पाकिस्तान की पत्रकार आरजू काजमी ने बताया है कि शहबाज शरीफ की ओर से अलेक्जेंडर लुकाशेंको के सामने कश्मीर मुद्दे को उठाया गया। इस पर बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने कहा कि वह कश्मीर पर कोई बयान नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि वह सिर्फ बिजनेस की बात करने आए हैं और इस संबंध में कैसे बेलारूस के साथ पाकिस्तान के साथ रिश्ते बेहतर बने, इस पर ही अपनी बातचीत का फोकस रखेंगे। कश्मीर या किसी दूसरे राजनीतिक मुद्दे पर वह कोई बयान नहीं देंगे।

ट्रंप ने एक और भारतवंशी को दी बड़ी जिम्मेदारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति का भारतीय मूल के लोगों पर भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से एक भारतवंशी पर विश्वास जताया है। उन्होंने जय भट्टाचार्य को राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के डायरेक्टर के तौर पर नियुक्त किया है। दरअसल, जय भट्टाचार्य का जन्म कोलकाता में हुआ था। वह एक बड़े अर्थशास्त्री हैं। उन्होंने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से मेडिकल शिक्षा प्राप्त की है। अपनी जिम्मेदारी के दौरान वह करीब 47.3 अरब डॉलर के बजट की निगरानी करेंगे। नेशनल इस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के डायरेक्टर के रूप में नॉमिनेट होने पर जय भट्टाचार्य ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा, अगले एनआईएच के डायरेक्टर के तौर पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मुझे नामांकित किए जाने से मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

इजरायल और लेबनान के बीच सीजफायर का भारत ने किया स्वागत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। इजरायल और लेबनान के बीच युद्धविराम पर बात बन गई है। पिछले कई महीनों के भीषण युद्ध के बाद दोनों देशों की सहमति से ये फैसला हुआ है। इजरायल और लेबनान के बीच सीजफायर के फैसले का भारत ने स्वागत किया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम इजरायल और लेबनान के बीच घोषित युद्ध विराम का स्वागत करते हैं। हमने हमेशा तनाव कम करने, संयम बरतने और बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आह्वान किया है। हमें उम्मीद है कि इन घटनाक्रमों से व्यापक क्षेत्र में शांति और स्थिरता आएगी।

इजरायल और लेबनान के बीच युद्धविराम को लेकर वार्ता सफल रही है।

इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच समाप्त होगा युद्ध

दोनों पक्ष युद्धविराम के समझौते पर तैयार हैं। युद्धविराम पर यह समझौता 27 नवंबर की आधी रात (इजरायल समय) पर लागू होगा। हिजबुल्लाह ने शुरुआती तौर पर इस फैसला का समर्थन दिया है। युद्धविराम के बाद दोनों पक्षों में शांति स्थापित होने की उम्मीद जगी है।

इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच हुए सीजफायर की शर्तों के अनुसार इस समझौते में 60 दिनों का युद्धविराम किया गया है। सीजफायर के अनुसार इजरायली सैनिक लेबनान से वापस जाएंगे। हिजबुल्लाह के लड़ाके भी दक्षिणी लेबनान में इजरायली सीमा से हटेंगे। वहीं, समझौते में इस बात पर जोर दिया गया है कि हिजबुल्लाह अगर युद्धविराम का उल्लंघन करता है तो इजरायल को हमला करने का अधिकार होगा। हालांकि, लेबनान की ओर से इस प्रावधान का कड़ा विरोध जताया गया।

इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच सीजफायर के फैसले पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, आज, मेरे पास मध्य पूर्व से रिपोर्ट करने के लिए अच्छी खबर है। मैंने लेबनान और इजरायल के प्रधानमंत्रियों से बात की है और मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि उन्होंने इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच विनाशकारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है।

लेबनान के बाद गाजा में भी रुकेगी लड़ाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) गाजा पट्टी। फिलिस्तीनी गुट हमास ने कहा है कि वह गाजा में इजरायल के साथ युद्ध विराम के लिए तैयार है। हमास की ओर से ये बयान लेबनान में युद्ध विराम की घोषणा के ठीक बाद आया है। लेबनान में अमेरिका की मध्यस्थता में हिजबुल्लाह और इजरायल में युद्ध विराम हुआ है। ये युद्ध विराम बुधवार से लागू हो गया है। इसके बाद हमास ने भी युद्ध विराम की इच्छा जताई है। हालांकि अभी ये साफ नहीं है कि इजरायल का गाजा में युद्ध रोकने पर क्या रुख है। इजरायल की ओर से सकारात्मक जवाब आता है तो 13 महीने से चल रही इस भीषण लड़ाई के रुकने और इलाके में शांति का रास्ता खुल सकता है। गाजा में बीते साल अक्टूबर से हमास और इजरायल में लड़ाई चल रही है। ये लड़ाई हमास के इजरायल में एक संगीत कार्यक्रम में हमले के बाद शुरू हुई थी।

Page Three
Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

सीएचओ को शनिवार के दिन अवकाश न देने के निर्देश

समीक्षा

सीएमओ ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की समीक्षा बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन के लिए जरूरी निर्देश दिए गए। साथ ही प्रति शनिवार को निर्धारित आयुष्मान आरोग्य शिविरों के आयोजन के दृष्टिगत सीएचओ को शनिवार के दिन अवकाश न देने के भी निर्देश दिए गए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विमल सिंह गुसाईं द्वारा राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत अधिक से अधिक टीबी रोगियों की खोज हेतु बलगम जांच दर ओपीडी के सापेक्ष अनिवार्य रूप से पांच प्रतिशत करने के निर्देश दिए। जिला कार्यक्रम समन्वयक मुकेश बगवाड़ी द्वारा आगामी दिसंबर माह से शुरू होने वाले 100 दिवसीय

निक्षय शिविर अभियान के बारे में जानकारी दी गई, बताया गया कि अभियान के तहत सीएचओ व आशा कार्यकत्रियों द्वारा क्षेत्रों में निक्षय शिविर आयोजित किए जाएंगे।

एनटीईपी कार्यक्रम में तेजी लाने के लिए महानिदेशालय स्तर से जनपद को प्राप्त पोर्टबल एक्स–रे मशीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखोली को उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। कांप्रिहेंसिव प्राइमरी हेल्थ केयर कार्यक्रम की समीक्षा में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रति शनिवार आयुष्मान आरोग्य केंद्र में पीएचसी स्तर पर आयोजित हो रहे स्वास्थ्य शिविरों की रिपोर्टिंग न होने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को आयुष्मान आरोग्य शिविरों की नियमित व निर्धारित समय पर रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रति शनिवार आयुष्मान आरोग्य शिविरों के आयोजन के मद्देनजर सीएचओ को शनिवार के दिन अवकाश न देने के निर्देश भी दिए। अवकाश अति आवश्यक होने पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी संबंधित सीएचओ के आयुष्मान आरोग्य शिविर के आयोजन की व्ययस्था सुनिश्चित कर ही अवकाश प्रदान करें।

आरकेएसके कार्यक्रम की समीक्षा में पियर एजुकेटर की एएनएम सेंटर पर प्रतिमाह समीक्षा बैठक करने के निर्देश दिए, जिससे क्षेत्र में किशोर स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं की काउंसलिंगध्उपचार हेतु त्वरित निस्तरण किया जाएगा। इससे अलावा मातृत्व एंव शिशु स्वास्थ्य की समीक्षा के अंतर्गत ससमय टीकाकरण सुनिश्चित कराने, एचएमआईएस व आरसीएच रिपोर्टों का अनुश्रवण व समीक्षा के उपरांत ही प्रभारी चिकित्सा अधिकारी जिला स्तर को रिपोर्ट प्रेषित करने, हाई रिस्क प्रेगनेंसी के मामलों में विशेष ऐहतियात बरतने के निर्देश दिए गए।

न्यूज डायरी

30 नवम्बर को बहुउद्देशीय शिविर किया जाएगा आयोजित

संवाददाता चमोली। पिण्डवाली में 30 नवम्बर को बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया जाएगा। जिला कार्यालय के प्रभारी अधिकारी ने बताया कि 30 नवम्बर को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गैरसैंण ब्लॉक के पिण्डवाली में 11:00 बजे से 2 बजे तक बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया जाएगा। जिसमें जनता की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर निस्तारण किया जाएगा और विभागों के स्टॉल लगाए जाएंगे। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को शिविर में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करने के निर्देश दिए हैं।

10 दिसबंर तक क्वारब राजमार्ग रात्रि 09:00 बजे से प्रातः 06:00 बजे तक बंद

संवाददाता अल्मोड़ा। जिला मजिस्ट्रेटध्अध्यक्ष आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण आलोक कुमार पाण्डेय ने बताया कि अल्मोड़ा–क्वारब राष्ट्रीय राजमार्ग–109 के किमी0 56 में हो रहे लगातार भू–स्खलन सड़क धसने व बोल्डर गिरने से यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिगत आपदा प्रबन्धन अधिनियम–2005 की धारा 34 (ख) में प्रदत्त शक्तियों के क्रम में दिनॉक 26 नवम्बर, 2024 से दिनॉक 10 दिसम्बर, 2024 की रात्रि 09:00 बजे से प्रातः 06:00 बजे तक हल्के एवं भारी वाहनों के संचालन हेतु पूर्णतयः प्रतिबन्धित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस निर्देश में किसी प्रकार की शिथिलता अक्षम्य होगी तथा आदेशों की अवेहलना को गम्भीरता से लिया जायेगा, प्रतिबन्धित समय पर सड़क दुर्घटना एवं वाहन संचालन हेतु सम्बन्धित चौकीध्थाना के प्रभारी पूर्णतः जिम्मेदार होंगे। उन्होंने बताया कि एम्बुलेंसध्क्रेन एवं अन्य आवश्यकीय सेवाओं में प्रयुक्त होने वाले वाहन प्रतिबन्ध से मुक्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त यदि किसी अन्य वाहन के प्रतिबन्धित अविध में यातायात की अपरिहार्यता हो तो क्षेत्र के सम्बन्धित उपजिलाधिकारीध्पुलिस क्षेत्राधिकारी निर्णय लेने हेतु अधिकृत होंगे।

एचडीएफसी बैंक ने अर्ध–शहरी और ग्रामीण भारत के लिए प्रगति बचत खाता शुरू किया

संवाददाता देहरादून। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपने प्रगति बचत खाते के लॉन्च की घोषणा की, जिसे विशेष रूप से भारत भर में ग्रामीण और अर्ध–शहरी लोगों की बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। एचडीएफसी बैंक के कंट्री हेड – भुगतान, देयता उत्पाद, उपभोक्ता वित्त और विपणन पराग राव ने कहा, एचडीएफसी वित्तीय समावेशन और कृषि सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य एक समावेशी और टिकाऊ पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है जो ग्रामीण विकास का समर्थन करता है और स्थानीय समुदायों का उत्थान करता है।

जनपद के समस्त क्षेत्र पंचायतों में किए गए प्रशासक नियुक्त

संवाददाता अल्मोड़ा। जिलाधिकारी आलोक कुमार पाण्डेय ने बताया कि सचिव पंचायतीराज, उत्तराखण्ड शासन की अधिसूचना के क्रम में क्षेत्र पंचायतों के सामान्य निर्वाचन, 2029 के उपरान्त जनपद के समस्त क्षेत्र पंचायतों की प्रथम बैठक दिनॉक 30 नवम्बर, 2019 को सम्पादित होने के फलस्वरूप ग्राम पंचायतों का कार्यकाल उनकी प्रथम बैठक की तिथि से पॉच वर्ष की अवधि दिनॉक 29 नवम्बर, 2024 को समाप्त हो जायेगा।

उन्होंने बताया कि उत्तराखण्ड पंचायतीराज अधिनियम, 2016 की धारा 130 की उपधारा 06 के अधीन प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए क्षेत्र पंचायतों का कार्यकाल दिनॉक 29 नवम्बर, 2024 को समाप्त होने पर ग्राम पंचायतों में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से छः मास से अनधिक अवधि के लिए अथवा नई ग्राम पंचायतों के गठन तक जो भी पहले हो जनपद के समस्त क्षेत्र पंचायतों में प्रशासक नियुक्त कर दिये गये है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र पंचायत धौलादेवी एवं लमगड़ा के लिए उपजिलाधिकारी भनोली, क्षेत्र पंचायत भैसियाछाना, हवालबाग, ताकुला के लिए उपजिलाधिकारी सदर, क्षेत्र पंचायत ताड़ीखेत के लिए संयुक्त मजिस्ट्रेट रानीखेत, क्षेत्र पंचायत चौखुटिया एवं द्वाराहाट के लिए उपजिलाधिकारी द्वाराहाट, क्षेत्र पंचायत भिकियासैंण एवं स्याल्दे के लिए उपजिलाधिकारी भिकियासैंण एवं क्षेत्र पंचायत सल्ट के लिए उपजिलाधिकारी सल्ट को प्रशासक नियुक्त किया गया है।

बाल विवाह को रोकने के लिए पिथौरागढ़ में की गई महत्वपूर्ण बैठक

संवाददाता चमोली। मंगलवार को गैरसैंण ब्लॉक के सारकोट के ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि सेना के शहीद बसुदेव सिंह की माताजी श्रीमती माहेश्वरी देवी का स्वास्थ्य खराब है। इस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल संज्ञान लेते हुए डॉक्टरों की एक टीम सारकोट भेजी। जहां डॉ राजेश गैडी व डॉ ज्योति ने शहीद की माताजी का स्वास्थ्य परीक्षण किया और आवश्यक दवाइयां दी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को इस संबंध में नियमित फॉलोअप करने को कहा। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने कहा है कि अगर शहीद की माताजी के स्वास्थ्य में सुधार नहीं होता है तो जिला चिकित्सालय से विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम सारकोट भेजी जाएगी।

वाहन में तय सीमा से अधिक सवारियों या सामान की ढुलाई न हो

संवाददाता

■ जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को किया निर्देशित

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन विगत दिवस मंगलवार सायं किया गया। इस बैठक में सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई और जिलाधिकारी द्वारा आवश्यक निर्देश जारी किए गए।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) को निर्देशित किया कि शराब पीकर वाहन चलाने (ड्रिंक एंड ड्राइव) के मामलों में संबंधित वाहनों को तुरंत जब्त (सीज) किया जाए। उन्होंने सड़क पर बढ़ते अतिक्रमण पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अतिक्रमण को तत्काल हटाया जाना चाहिए ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू हो सके।

साथ ही, जिलाधिकारी ने वाहनों में ओवरलोडिंग की समस्या को गंभीरता से लेते हुए कहा कि किसी भी वाहन में तय सीमा से अधिक सवारियों या सामान की ढुलाई न हो। ओवरलोडिंग से सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है, इसलिए इस पर सख्त कार्रवाई की जाए।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सड़क दुर्घटनाओं के दौरान घायल व्यक्तियों को समय पर उचित उपचार मिलना अनिवार्य है। इसके लिए इमरजेंसी सेवाओं में सुधार के निर्देश दिए गए। 108 एम्बुलेंस सेवाओं को और प्रभावी बनाने के लिए पर्याप्त संख्या में एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी, साथ ही उनकी नियमित मेंटेनेंस भी की जाएगी ताकि आपात स्थिति में वे हमेशा तत्पर रहें।

जिलाधिकारी ने पुलिस और परिवहन विभाग को निर्देशित किया कि वे सड़क सुरक्षा के तहत निरंतर चेकिंग करते रहें और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि जिन स्थानों पर सड़क संकेतक क्षतिग्रस्त हैं, उनकी मरम्मत शीघ्र कराई जाए ताकि सड़क पर यातायात सुचारू रूप से संचालित हो सके। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सड़क सुरक्षा के इन उपायों को जल्द से जल्द अमल में लाएं।

महिलाओं को पुलिस ने किया जागरूक

संवाददाता बहादराबाद। बाल विवाह मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत बहादराबाद पुलिस ने औद्योगिक क्षेत्र चार बेगमपुर में फैक्ट्री के कार्यरत महिलाओं को जागरूक किया। पुलिस उप निरीक्षक कल्पना ने बाल विवाह की रोकथाम और इसके दुष्परिणामों के प्रति महिलाओं को सचेत कर सामाजिक, शारीरिक और मानसिक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। बताया कि प्रचार–प्रसार के लिए दीवार लेखन और अन्य माध्यमों का भी उपयोग किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए महिला श्रमिकों के सहयोग से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने उपस्थित लोगों से अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेंने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बाल विवाह केवल कानूनी अपराध नहीं है, बल्कि यह बच्चों के अधिकारों और भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

सत्याग्रह बल से नहीं ,हिंसा के त्याग से होता है। -अज्ञात

विचार-प्रवाह देहरादून, गुरूवार, 28 नवंबर 2024

पेज थ्री
www.page3news.in

संतुलन और सख्ती

सुप्रीम कोर्ट ने इन तमाम पहलुओं का ध्यान रखते हुए न केवल बुलडोजर के जरिए न्याय करने की इस प्रवृत्ति को खारिज किया बल्कि उन आधारों को भी स्पष्ट किया, जिनसे इस बात की पहचान होती है कि प्रशासन ने कब अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया।

अनुज श्रीवास्तव।।

देश के अलग–अलग हिस्सों में शुरू हुए कथित 'बुलडोजर न्याय' के नए चलन में निहित खतरों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ठीक ही इस पर प्रभावी रोक लगा दी। इस संबंध में बुधवार को आया सर्वोच्च अदालत का फैसला निश्चित रूप से सख्त फैसलों की श्रेणी में रखा जाएगा, लेकिन यह सख्ती जरूरी थी।

मामले की गंभीरता का अंदाजा इस बात से हो सकता है कि एक बार शुरू होने के बाद यह चलन तेजी से फैलता जा रहा था। कई राज्यों में इसे अपराधी तत्वों पर अंकुश लगाने का एक कारगर तरीका माना जाने लगा था। हालांकि इसे गलत और मान्य कानूनी प्रक्रिया के खिलाफ बताने वाले भी कम नहीं थे, लेकिन न केवल आम लोगों के एक हिस्से में इसके प्रति समर्थन देखा जा रहा था बल्कि प्रशासनिक हलकों में भी इसके बचाव में कई तरह की दलीलें दी जा रही थीं। इन सबसे असमंजस के हालात बने हुए थे।

इस केस पर विचार करते हुए कोर्ट को कई सवालों से जूझना पड़ा। मसलन– कानून का पहलू तो इससे जुड़ा था ही, संविधान द्वारा नागरिकों को दिए गए उन अधिकारों का भी सवाल था जो उसे राज्य की मनमानी कार्रवाइयों से सुरक्षा देते हैं। न्याय व्यवस्था की निष्पक्षता और लोकसेवकों के प्रति आम जनों के विश्वास का प्रश्न भी इससे जुड़ा था।

सुप्रीम कोर्ट ने इन तमाम पहलुओं का ध्यान रखते हुए न केवल बुलडोजर के जरिए न्याय करने की इस प्रवृत्ति को खारिज किया बल्कि उन आधारों को भी स्पष्ट किया, जिनसे इस बात की पहचान होती है कि प्रशासन ने कब अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया। फैसले में कहा गया है कि जब किसी खास निर्माण को अचानक निशाना बनाया जाता है और उस तरह के अन्य निर्माणों को छुआ भी नहीं जाता, तब ऐसा लगता है कि कार्रवाई का असल मकसद किसी आरोपी को बिना मुकदमा चलाए सजा देना है। खास बात यह कि शीर्ष अदालत इस तरह की कार्रवाई को गलत बताकर ही नहीं रुकी, उसने यहां तक कहा कि अगर किसी व्यक्ति का घर इस तरह से तोड़ा जाता है तो उसे फिर से बनाने का खर्च संबंधित ऑफिसरों के वेतन से काटा जाएगा। दूसरी बात यह कि अदालत ने इस फैसले की सीमाएं स्पष्ट करते हुए यह भी कहा कि सार्वजनिक स्थलों जैसे सड़क, फुटपाथ, रेलवे लाइन आदि पर बने अवैध निर्माण इन निर्देशों के दायरे में नहीं आएंगे।

कुल मिलाकर, सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती और संतुलन का जो बेहतरीन तालमेल इस फैसले में दिखाया है, वह देश में संवैधानिक मूल्यों को मजबूती देने वाली एक मिसाल के रूप में याद रखा जाएगा।

इंतजार

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। एक दिन की बात है सुनीता जहां से दूध लाते थे उसी जगह तथा उस लड़के से मिलने के लिए उसकी मां सुधा कहती है कि आज मैं भी तुम्हारे साथ जाऊंगी देखने के लिए। तभी सुनीता के साथ उसकी मां दूध लेने के लिए निकल पड़ती है लेकिन वहां जहां वह लड़का मिलता था वहां पहुंचती है सुनीता उसकी मां तो देखती है कि वहां कोई भी नहीं है। दोनों मिलकर पूछते वहां इंतजार करते हैं लेकिन वह लड़का नहीं आता है। वह दोनों था खाकर घर चला जाता है और दोनों फिर कुल्फी बेचने के लिए मार्केट जाकर आता है। दोनों थक हार कर आने के बाद अपने घर में खाना पीना खा कर सो जाते हैं। रात के सपने में सुनीता के सपने में वह लड़का आता है और कहता है कि तुम बहुत ज्यादा परेशान लग रही हो।

...शेष कल

संपादकीय

डीआईएमई फैक्टर

किसी भी फील्ड में अगर काम का क्रेडिट ना मिले तो मनोबल पर असर तो पड़ता ही है। इंडियन आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा था कि किसी न किसी तरह हम हमेशा एम स्तंभ से अलग–थलग रहे हैं। यहां एम का मतलब मिलिट्री से है। दरअसल, नैशनल पावर को एक्सप्लेन करने के लिए डीआईएमई का इस्तेमाल होता है। इसमें डी मतलब डिप्लोमेटिक, आई मतलब इनफारमेशन, एम मतलब मिलिट्री और ई मतलब इकानोमी होता है। इसी प्रोग्राम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डिफेंस सेक्टर को लेकर अपनी चिंताएं भी जाहिर कीं। उन्होंने कहा कि हमें इस पर गंभीरता से पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए कि रक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को आर्थिक विकास से जुड़ी चर्चाओं में अधिक महत्व क्यों नहीं दिया जाता। साथ ही, यह भी कहा कि आर्थिक विकास के लिए सुरक्षा के महत्व को हमेशा स्वीकार किया गया है, फिर भी इसे आर्थिक वृद्धि में एक प्रत्यक्ष कारक के रूप में निरंतर रूप से मान्यता नहीं मिली है।

सहमति बनाने के लिए राजनीतिक, कूटनीतिक और सैन्य स्तर पर बातचीत लगातार चल रही थी। इसकी अहमियत का जिक्र विदेश मंत्री एस जयशंकर से लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी किया।

सहमति का ऐलान

पूनम पाण्डे।।

ईस्टर्न लद्दाख में एलएसी पर भारत और चीन के बीच करीब साढ़े चार से साल गतिरोध चल रहा है। यह अभी खत्म नहीं हुआ है, लेकिन जिन दो पॉइंट्स– देपसांग और डेमचॉक– पर दोनों देशों के सैनिकों का आमने–सामने से हटना बाकी था, वहां इसकी प्रक्रिया अब चल रही है। कुछ ही दिनों में इन इलाकों में सेना की पहले की तरह गश्ती भी शुरू हो जाएगी। इसके लिए लगातार बातचीत चल रही थी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस दिन ब्रिक्स समिट के लिए रूस रवाना होने वाले थे, उसके ठीक एक दिन पहले भारत और चीन के बीच सहमति का ऐलान किया गया।

सहमति बनाने के लिए राजनीतिक, कूटनीतिक और सैन्य स्तर पर बातचीत लगातार चल रही थी। इसकी अहमियत का जिक्र विदेश मंत्री एस जयशंकर से लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी किया। समाधान के लिए दोनों देशों के बॉर्डर मामले के लिए तय स्पेशल प्रतिनिधि भी बातचीत कर रहे थे और ब्रिक्स समिट की साइडलाइन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात के बाद विदेश सचिव ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि स्पेशल प्रतिनिधि जल्द से जल्द और मीटिंग्स करेंगे। भारत की तरफ से स्पेशल प्रतिनिधि

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल हैं।

बहरहाल, बातचीत शुरू कैसे हुई और इसमें नरमी कैसे आई इसे भी याद रखने की जरूरत है। अप्रैल 2020 में ईस्टर्न लद्दाख में जब गतिरोध शुरू हुआ तो चीनी सैनिक पैंगोंग एरिया के उत्तर में फिंगर एरिया में काफी आगे तक आ गए थे। चीनी सैनिकों ने वहां कई टेंपरेरी स्ट्रक्चर भी बना लिए थे। उसी साल अगस्त 2020 में चीन ने पैंगोग एरिया के दक्षिणी किनारे में जहां कैलाश रेंज है, वहां भी नया मोर्चा खोलने की कोशिश की। वहां उनके सैनिकों की मूवमेंट देखी गई। इस बीच, उत्तरी किनारे में गतिरोध खत्म करने के लिए दोनों देशों के बीच बातचीत चल ही रही थी लेकिन चीन का रुख कड़ा था। इसके बाद भारतीय सेना ने दक्षिणी किनारे में कैलाश रेंज की अहम चोटियों पर कब्जा कर लिया। यह आसान नहीं था लेकिन भारतीय सेना ने वहां आनन फानन में टैंक तक पहुंचा दिए और अपनी मजबूत पोजिशन बना ली। इसके बाद चीन कहने लगा कि भारत ने एलएसी पार कर उसके इलाके में कब्जा किया है और उसे वापस जाना चाहिए। कैलाश रेंज की चोटियों पर भारतीय सेना की मजबूत स्थिति ने ही चीन को बातचीत की टेबल पर नरम किया। इसके बाद बातचीत के जरिए ही गलवान एरिया, पैंगोंग के उत्तरी किनारे में फिंगर एरिया, दक्षिणी किनारे में कैलाश रेंज और गोगरा–हॉट स्प्रिंग एरिया में कपेमदहंहमउमदज हुआ और वहां बफर जोन बनाए गए।

रामचरित मानस में एक लाइन है– भय बिनु होइ न प्रीत। मिलिट्री सर्कल में इसे बार–बार दोहराया जाता है। स-|ब के गतिरोध को देखें, तो चीन तब तक बातचीत के दौरान मजबूत स्थिति में दिख रहा था जब तक वह फिंगर एरिया में आगे था। जब भारतीय सेना ने कैलाश रेंज की अहम चोटियों पर कब्जा कर चीन को अपनी ताकत दिखाई तब बातचीत ने रफ्तार पकड़ी और चीन का रवैया बदला।

अष्टयोग-5082

7		5		3		1
2	39	1	29		26	
	6			2		4
4	30	2	25		34	6
1			4	5		
	30	6	39	4	35	3
	5		6		1	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5081 का हल

5	6	7	1	2	3	4
2	39	1	29	6	26	5
7	6	5	4	3	2	1
4	30	2	27	1	31	6
1	2	3	4	5	6	7
6	30	6	39	4	35	3
3	5	4	6	7	1	2

Jagrutidaar.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

उठने लगे सवाल

मोहन। हाल में बनी सहमति को लेकर भारत की तरफ से पहले डिप्लोमेटिक और राजनीतिक स्तर पर जितने भी बयान आए उसमें बातचीत और डिप्लोमेसी का जिक्र किया गया, हालांकि उन सारे बयानों में मिलिट्री ताकत और कैलाश रेंज की चोटियों पर भारतीय सेना ने जो किया, उसकी अहमियत का जिक्र नहीं था। इसे लेकर सवाल भी उठने लगे थे कि एलएसी पर सहमति तक पहुंचने के लिए मिलिट्री ने जो किया उसका उस तरह जिक्र क्यों नहीं किया जा रहा है जिस तरह से डिप्लोमेसी का हो रहा है। फिर शनिवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक कार्यक्रम में एलएसी पर सहमति तक पहुंचने के लिए डिप्लोमेसी के साथ ही मिलिट्री की भूमिका का भी जिक्र किया। यह जरूरी था। बेहद विषम परिस्थितियों में बॉर्डर पर डटे सैनिकों के मनोबल के साथ ही उनके परिवार वालों का मनोबल बढ़ाना भी देश की और देश की लीडरशिप की जिम्मेदारी है।

तलाक के बाद सामंथा रुथ प्रभु का तलाक पर छलका दर्द

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नागा चैतन्य दूसरी शादी करने जा रहे हैं। वहीं, सामंथा रुथ प्रभु उनसे तलाक के बाद हुई चीजों के बारे में खुलकर बात कर रही हैं। उन्होंने लेटेस्ट इंटरव्यू में तलाकशुदा होने के कारण उन पर लगने वाले लेबल के बारे में बात की। और बताया कि कैसे उन्होंने उन सभी को एक्सेप्ट किया। उन चीजों से खुद को दुखी नहीं होने दिया। एक्ट्रेस ने 2017 में शादी की थी और 2021 में वह अलग हो गए थे। और अब एक्टर 4 दिसंबर को शोभिता धुलिपाला से शादी करने जा रहे हैं।

बताया सुनने पड़े थे ताने, आ रही थी शर्म

सामंथा रुथ प्रभु से सवाल किया गया कि उन्होंने अपने शादे के गाउन को ड्रेस में क्यों तब्दील किया। इस पर वह बोलीं, जब एक महिला तलाक से गुजरती है, तो उसके साथ बहुत शर्म और कलंक जुड़ा होता है। मुझे बहुत कुछ कहा गया। काफी कमेंटबाजी हुई। मुझे लोगों ने सेकेंड हैंड कहा, इस्तेमाल किया हुआ कहा। बोले कि इसका जीवन को बर्बाद है। आपको एक कोने में धकेल दिया जाता है। आप खुद को एक असफल महसूस करने लगते हो। आपको शर्म आने लगती है कि आप पहले तो शादीशुदा थे लेकिन अब नहीं।

सामंथा ने शादी के गाउन पर कही ये बात

सामंथा ने आगे अपने गाउन के बारे में कहा, शुरू में थोड़ा दुख हो रहा था लेकिन फिर मैंने इसे तब्दील करने का सोचा। क्योंकि मैंने उससे अपना इमोशनल कनेक्ट खत्म कर दिया था। मैं तलाकशुदा हूं। अब वो परियों की कहानी जैसी चीजें नहीं हैं। हालांकि अब ये भी नहीं कि मैं कोने में बैठकर रोने लगूं और फिर जीना भूल जाऊं। कोई बदला नहीं था। बस इतना था कि ये सब मेरे साथ हुआ है। लेकिन लाइफ खत्म नहीं हुई। मैं खुश हूं और अच्छा काम कर रही हूं।

मां बनना चाहती हैं सामंथा रुथ प्रभु

नागा चैतन्य के साथ सामंथा रुथ प्रभु ने बेबी प्लानिंग की थी। उन्होंने इंटरव्यूज में बताया था कि एक तारीख भी तय कर ली थी कि उस वक्त ही बच्चा इस दुनिया में लेकर आएंगे। लेकिन ऐसा हो न सका। उन्होंने हाल ही में ये भी कहा था कि वह मां बनने के लिए एक्साइटेड हैं। वह अभी भी मां बनना चाहती हैं। फिलहाल वह सिंगल हैं और काम पर ध्यान दे रही हैं।

नागा चैतन्य के भाई अखिल अक्किनेनी ने की सगाई

नागा चैतन्य के भाई अखिल अक्किनेनी ने सगाई कर ली है। साउथ एक्टर नागार्जुन ने बहू का परिवार में स्वागत किया और सोशल मीडिया पर इंगेजमेंट की फोटो शेयर की है। कुछ महीने पहले नागा चौतन्य ने शोभिता ध्ुलिपाला से सगाई की थी। दोनों जल्द ही शादी करने वाले हैं। नागार्जुन ने सोशल मीडिया पर बेटे अखिल और होने वाली बहू की फोटो शेयर की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, श्हम अपने बेटे अखिल अक्किनेनी की सगाई की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं। हमारी होने वाली बहू जैनब रावदजी के साथ। जैनब का हमारी फैमिली में स्वागत करते हुए हम बहुत खुश हैं। इस जोड़े को बधाई और आशीर्वाद दें। अखिल अक्किनेनी ने भी इंस्टाग्राम पर जैनब संग सगाई की तस्वीरें शेयर कीं और लिखा, श्मुझे मेरा हमेशा का मिल गया। यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि जैनब रावदजी और मैं खुशी-खुशी सगाई कर रहे हैं। अखिल अक्किनेनी की जैनब रावदजी से सगाई की खबर ठीक उसी समय आई है, जब अक्किनेनी परिवार नागा चैतन्य की शोभिता धुलिपाला से शादी की तैयारी कर रहा है। मालूम हो कि 4 दिसंबर 2024 को हैदराबाद के अन्नपूर्णा स्टूडियो में दोनों की शादी होगी।

करण अर्जुन की री-रिलीज पर बोले राकेश रोशन

राकेश रोशन के डायरेक्शन में बनी और सलमान खान - शाहरुख खान जैसे सितारों से सजी करण अर्जुन 22 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में एक बार फिर से रिलीज की गई है। फिल्म को रिलीज हुए 30 साल हो चुके हैं और ये दोबारा रिलीज के साथ ही फैन्स की पुरानी यादों को फिर से ताजा कर रही है। वहीं राकेश रोशन को अमरीश पुरी की कमी के साथ-साथ ममता कुलकर्णी की गैर-मौजूदगी काफी खल रही है। बता दें कि इस फिल्म में नजर आए लीड कलाकार अब भी इंडस्ट्री पर राज कर रहे हैं। वहीं साल 2005 में अमरीश पुरी का निधन हो गया और ममता कुलकर्णी साल 2002 के बाद से बॉलीवुड से गायब हैं। ममता की आखिरी बॉलीवुड फिल्म कभी तुम कभी हम थी। यानी ममता को इंडस्ट्री से गायब हुए करीब 22 साल बीत चुके हैं। हाल ही में श्फिल्मी बीटश् के साथ बातचीत में, राकेश रोशन ने अमरीश पुरी को याद करते हुए अपनी बातें रखीं। उनसे पूछा गया कि क्या वह फिल्म की 30 वें सालगिरह के इस जश्न के दौरान पुरी को याद करते हैं? रोशन ने कहा कि वो सच में उन्हें बहुत याद करते हैं।

अरबाज ने मुझे अमृता की शादी में नोटिस किया: सोनाक्षी सिन्हा

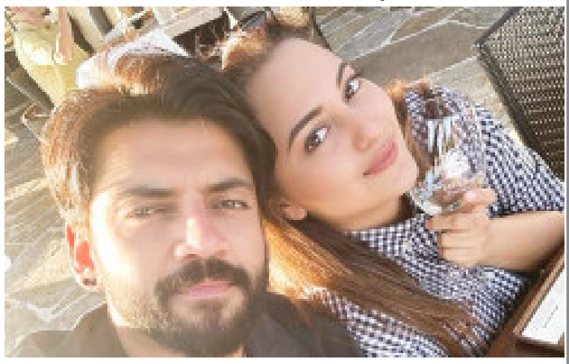

सोनाक्षी सिन्हा ने साल 2010 की ब्लॉकबस्टर फिल्म दबंग से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस पहली फिल्म के लिए जिस तरह उन्हें कास्ट किया गया था उसकी तुलना उन्हें अरेंज मैरिज सेटअप से की। हाल ही में पॉडकास्ट वॉट वीमेन वॉन्ट के सीजन 5 पर करीना कपूर के साथ बातचीत में सोनाक्षी ने फिल्म में सलमान खान की प्रेमिका रज्जो का किरदार निभाने को लेकर कास्टिंग पर बातें की। सोनाक्षी सिन्हा अपनी डेब्यू फिल्म दबंग में 21 साल बड़े सलमान की हीरोइन बनीं। उन्होंने बताया, श्दबंग बस बन गई। सलमान खान और अरबाज खान ने मुझे अमृता अरोड़ा की शादी में देखा। उस समय मैंने अपना सारा वजन घटा लिया था। उन्होंने मुझसे कहा कि वे कुछ लिख रहे हैं और उन्हें लगा कि मैं इस रोल के लिए बिल्कुल सही रहूंगी। मैंने कभी उनकी बात को गंभीरता से नहीं लिया। सोनाक्षी ने आगे कहा कि फिर एक दिन वो स्क्रिप्ट सुनाने के लिए मेरे घर आ गए। उन्होंने कहा, मेरा पूरा परिवार बैठकर स्क्रिप्ट सुनता रहा। स्क्रिप्ट सुनाने के बाद अरबाज ने और मेरी फैमिली ने सिर हिलाया, हाथ मिलाया और वो उठकर चले गए। उन्होंने जहीर इकबाल के रिश्ते को लेकर भी बात की। सोनाक्षी ने कहा, श्मैंने जहीर को एक हफ्ते में ही आई लव यू बोल दिया था। मैं बहुत एक्साइटेड थी।

16 साल बाद आगे बढ़ेगी जमाल और लतिका की कहानी

16 साल पहले एक फिल्म रिलीज हुई थी, जिसका नाम है स्लमडॉग मिलियनेयर। अब इस फिल्म के सीक्वल को लेकर चर्चा हो रही है। बताया जा रहा है कि जल्द ही इसको लेकर अपडेट्स सामने आएंगे। इस फिल्म ने 81वें एकेडमी अवॉर्ड में 8 ऑस्कर अवॉर्ड अपने नाम किए थे।

स्लमडॉग मिलियनेयर फिल्म साल 2008 में रिलीज हुई थी। इसका डायरेक्शन डैनी बॉयल ने किया था। फिल्म ने 81वें एकेडमी अवॉर्ड में 8 अवॉर्ड झटके थे। 7 बाफ्टा अवॉर्ड्स जीते थे। चार गोल्डन ग्लोब्स भी अपने नाम किए थे। अब गुड न्यूज ये है कि इस फिल्म का सीक्वल बन सकता है। पूर्व एग्जीक्यूटिव स्वाति शेट्टी और पूर्व एजेंट ग्रांट केसमैन की बनाई हुई कंपनी ब्रिज7 ने स्लमडॉग मिलियनेयर के फिल्म सीक्वल और टीवी राइट्स (अधिकार) खरीद लिए हैं। ये राइट्स यूके बेस्ड सेलाडोर से खरीदे गए हैं, जिसने यूके की फिल्म4 के साथ मिलकर 2008 की ऑस्कर विनिंग मूवी को प्रोड्यूस और फाइनेंस किया था।

देव पटेल ने निभाया था जमाल का किरदार

डैनी ब्योल ने फिल्म का निर्देशन किया था और विकास स्वरूप की किताब Q&A पर बेस्ड की लिखी स्लमडॉग मिलियनेयर 18 साल के जमाल की कहानी है। ये किरदार देव पटेल ने निभाया था। इसमें मुंबई की मलिन बस्तियों की मुश्किल भरी जिंदगी को करीब से दिखाया गया था। जिससे जमाल को हू वॉन्ट्स टू बी अ मिलियनेयर क्विज शो को जीतने के लिए जरूरी जवाब मिले थे।

पुराने सितारे सीक्वल में आएंगे नजर?

ये स्पष्ट नहीं है कि देव पटेलस फ्रीडा पिंटो और अन्य ऑरिजनल स्टार्स, सीक्वल में नजर आएंगे या नहीं। वो जमाल की जिंदगी के अगले चौप्टर का हिस्सा होंगे या नहीं, ये देखना दिलचस्प होगा। फिलहाल, सीक्वल मूवी को लेकर ज्यादा अपडेट्स सामने नहीं आए हैं। पर फैंस को यकीन है कि जल्द ही गुड न्यूज सुनने को मिलेगी।

नसों में जमा गंदे कोलेस्ट्रॉल को खत्म कर सकता है लहसुन

औषधीय गुणों से भरपूर है लहसुन
इसमें एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं, जो शरीर की सेल्स को फ्री रैडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाने में सहायता करते हैं। यह कोलेस्ट्रॉल ऑक्सीडेशन को रोकथाम में मददगार होता है, जिसकी वजह से धमनियों में प्लाक का निर्माण नहीं हो पाता है। साथ ही साथ हर रोज लहसुन को डाइट में शामिल करने से ट्राइग्लिसराइड्स के लेवल को कंट्रोल करने में भी मदद मिलती है।

शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने से हार्ट अटैक की बीमारी का जोखिम सबसे अधिक बढ़ जाता है। ऐसे में नसों में जमा बैड कोलेस्ट्र०ल को निकालने में लहसुन का सेवन मददगार हो सकता है।

कोलेस्ट्रॉल में लहसुन के फायदे
हर किचन में आसानी से मिलने वाला लहसुन कोलेस्ट्रॉल के लिए अच्छा इलाज माना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार लहसुन में कई औषधीय गुण मौजूद होते हैं। लहसुन में एलिसिन नामक यौगिक होता है, जो कोलेस्ट्रॉल की समस्या को दूर करने में सहायता करता है। अगर आप रोजाना लहसुन की 3–4 कलियों को हर सुबह खाली पेट गुनगुने पानी के साथ निगलते हैं, तो आपको इस बीमारी में काफी फायदा मिलता है। लेकिन अच्छे रिजल्ट के लिए आप इस उपाय को एक महीने तक आजमा सकते हैं।

लहसुन का सेवन कैसे करें
लहसुन का सेवन कई तरीके से किया जा सकता है। 1–2 कच्चे लहसुन के कलियों को सुबह के समय खाली पेट चबाना सबसे प्रभावी तरीका बताया जाता है। वहीं आप लहसुन की 2–3 कलियों का पेस्ट बनाकर हल्के गर्म पानी में डालकर पी सकते हैं। इसके अलावा लहसुन का उपयोग दाल, सब्जी या किसी अन्य व्यंजनों में भी करना लाभकारी होता है।

लहसुन और शहद मिलाकर खाएं
यदि आपको कच्चा लहसुन का स्वाद पसंद नहीं या खाने में दिक्कत महसूस होती है तो इसके साथ शहद को मिक्स करने के बाद इसका तीखापन कम होकर टेस्ट बदल जाएगा, जो आपको पसंद आएगा और आप आसानी से इसे खा पाएंगे। यह हेल्दी कॉम्बिनेशन बैड कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में काफी प्रभावी साबित होगा। इसके सेवन से गुड कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ता है और और दिल संबंधी समस्याओं का जोखिम कम हो जाता है। इसके लिए 2–3 लहसुन की कलियों को काटकर टकड़ें में कर लें और 2 चम्मच शहद में मिलाकर किसी डिब्बे में रख लें और फिर सुबह खाली पेट इस मिश्रण का सेवन करें। लहसुन का सानव कई बीमारियों में लाभकारी होता है लेकिन अधिक मात्रा में इसको खाने से पेट में जलन, गैस या एलर्जी का समस्या हो सकती है। गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को भी लहसुन को अधिक मात्रा में खाने से बचना चाहिए।

बिना बीज और छिलके वाला फल, सेहत के लिए है एक बेहतरीन उपहार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

शहतूत एक बहुत ही टेस्टी और पौष्टिक फल है, जो हेल्थ के लिए कई प्रकार के लाभ देता है। शहतूत में विटामिन ई, खनिज, और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो स्किन पर बढ़ते उम्र के प्रभाव को कम करने में सहायता करते हैं। वैसे तो बिना छिलके और बीज वाले कई और भी कई फल होते हैं, जिनको आपने खाया ही होगा लेकिन सेहत का खजाना छोटा से फल शहतूत को आपने कभी खाया है? जिसका रंग काला, लाल, गुलाबी होता है और स्वाद में यह खट्टा मीठा रहता है। डॉ निधि धवन, एच ओ डी डायटिक्स ,सरोज सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, दिल्ली के मुताबिक, इसमें कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। शहतूत में फॉस्फोरस, कैल्शियम, आयरन, विटामिन सी, ए ,मैग्नीशियम और फाइबर जैसे कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। आईए जानते हैं इस फल की खासियत क्या है और यह किन–किन बीमारियों में यह फायदेमंद होता है।

पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद
शहतूत में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। कब्ज, एसिडिटी और पेट की अन्य समस्याओं को दूर करने में सहायक होता है। दरअसल, शहतूत में प्रचुर मात्रा में फाइबर होता है, जिसकी वजह से यह पाचन को बेहतर बनाता है और पेट में ऐंठन, गैस एसिडिटी, ब्लोटिंग और कब्ज की समस्या भी कम होती है। इसमें मौजूद फाइबर के कारण कोलेस्ट्रॉल का लेवल भी ठीक रहता है।

इम्यूनिटी बढ़ाने में मददगार
इसमें मौजूद विटामिन सी और जिंक शरीर की रोग प्रतिरोधक

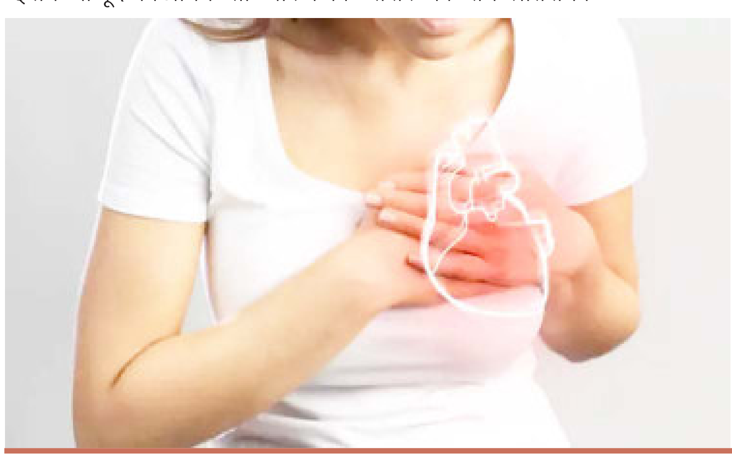

क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। इसकी मदद से कई तरह के इंफेक्शन और मौसमी बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। इसके साथ यह त्वचा के लिए भी बेहतर होता है। यह कोलेजन बनाने में सहायता प्रदान करता है। एनीमिया के रोगियों के लिए भी यह लाभकारी साबित होता है।

कैंसर से लड़ने में कारगर
विटामिन सी, विटामिन ए, एंथोकायनिन, और कई अन्य कई गुणों से भरपूर यह फल एंटीऑक्सीडेंट का भंडार होता है। यह दिल की बीमारी, किडनी की समस्या और कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ने में भी मदद कर सकता है। इसके अलावा इसमें मौजूद कैल्शियम और आयरन के साथ विटामिन ा की मौजूदगी हड्डियों के उत्तकों की रिकवरी और निर्माण में फायदेमंद हो सकते हैं।

दिल की सेहत के लिए अच्छा
शहतूत में पोटैशियम और फ्लेवोनॉइड्स होते हैं, जो हार्ट डिजीज से बचाव में सहायता करते हैं। दिल की सेहत को हमेशा स्वस्थ और निरोगी बनाए रखने के लिए शहतूत का सेवन किया जा सकता है इस फल को खाने से बात कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कंट्रोल किया जा सकता है यह आरटरी वॉल पर अनहेल्दी परत या प्लाक के निर्माण से रोकता है। इसे खाने से ब्लड शुगर लेवल भी कंट्रोल रहता है।

सेवन करने का तरीका
शहतूत के फल में पोषण वैल्यू और एंटीऑक्सीडेंट प्रॉपर्टीज काफी अधिक मात्रा में पाए जाते हैं, जो हेल्दी लाइफ के लिए जरूरी है। इसका सेवन करने से खून साफ होता है और ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर बनता है। प्रतिदिन एक कप शहतूत को डाइट में शामिल करने से कई फायदे मिलते हैं। शहतूत को सीधे तौर पर फल के रूप में खा सकते हैं और इसके अलावा इसका जूस, जैम, या स्मूदी भी बनाकर इसका सेवन कर सकते हैं। इसे ड्राई फ्रूट्स के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। लेकिन इस फल का सेवन सीमित मात्रा में ही करना ठीक होता है। इसको ज्यादा खाने से कुछ लोगों को एलर्जी या पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती है।

5 पत्तों से ठंड लगना हो जाएगी बंद, सही वक्त पर खाने से मिलेगा कई गुना फायदा

सर्दी का मौसम हो और ठंड न हो, ऐसा हो नहीं सकता है। लेकिन जब यह ठंड शरीर को लग जाती है तो तबीयत खराब होने लगती है। सबसे पहले खांसी, जुकाम, बुखार होता है और फिर बदन दर्द, पेट दर्द, इंफेक्शन भी हो सकता है। लेकिन इन समस्याओं से बचने के लिए सर्दी का एक उपाय करते रहना चाहिए। ठंड का मौसम अपने साथ कुछ सीजनल हरी पत्तेदार सब्जियां भी लेकर आता है। इन सब्जियों के पत्ते शरीर को गर्म रखने और ठंड से बचाने में मदद करते हैं। इन्हें वैसे तो कभी भी खाया जा सकता है, लेकिन सुबह खाली पेट नाश्ते में खाने से पूरे दिन कई गुना ज्यादा फायदा मिलता रहता है। यह डायजेशन और ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाने के लिए जाने जाते हैं। सर्दी में मेथी के पत्ते जरूर खाने चाहिए। आप इनका साग बनाकर भी खा सकते हैं। विकासपीडिया के मुताबिक मेथी के पत्तों में आयरन की मात्रा काफी होती है, जो ब्लड फ्लो और सर्कुलेशन को सुधारती है। इससे शरीर में गर्मी महसूस होती है। चाहे बथुआ का साग बनाएं या फिर उबालकर खाली पेट खा लें, यह आपको फायदे ही देगा। बथुआ के पत्ते सर्दियों के सुपरफूड माने जाते हैं। इन्हें खाने से प्रोटीन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक, कॉपर, एंटीऑक्सीडेंट्स और कई सारे विटामिन मिलते हैं। यह मसल्स और शरीर की सेल्स का कामकाज सही रखते हैं, जिससे ठंड लगने से बीमार पड़ने का खतरा कम हो जाता है।

दिन–रात चावल खाकर भी क्यों मोटे नहीं साउथ इंडियन?

क्या चावल खाने से पेट की चर्बी बढ़ती है, रात में चावल खाने से वजन बढ़ता है क्या, चावल खाने से पेट फूलता है क्या, क्या दाल चावल वजन बढ़ाता है? यह ऐसे सवाल है जो चावल खाने के मामले में बहुत ज्यादा पूछे जाते हैं। चावल दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी का मुख्य भोजन है। हालांकि यह भोजन पोषण से भरपूर है, फिर भी वजन बढ़ाने और मोटापे को लेकर इसे लेकर ऐसे कई सवाल उठते हैं। पहले यह जानना जरूरी है कि क्या वाकई चावल खाने से मोटापा बढ़ता है? यह बात कई कारकों पर डिपेंड है। ज्यादा मात्रा में सफेद चावल खाने से कैलोरी बढ़ सकती है। अगर कैलोरी खपत दैनिक जरूरत से ज्यादा हो जाए, तो वजन बढ़ सकता है। सफेद चावल जैसे रिफाइंड अनाज में फाइबर और पोषक तत्व कम होते हैं। यह जल्दी पचता है और ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ा सकता है, जिससे बार–बार भूख लग सकती है। तेल, मक्खन, या भारी सॉस के साथ पकाए गए चावल की कैलोरी बढ़ जाती है। तले हुए चावल (फ्राइड राइस) में उबले हुए चावल की तुलना में अधिक कैलोरी होती है। चावल अक्सर कैलोरी से भरपूर डिश (जैसे करी, फ्राई) के साथ खाया जाता है, जिससे कुल कैलोरी खपत बढ़ जाती है।

फैटी लिवर से कैंसर तक का खतरा बढ़ाती है गलती, क्या खाएं क्या नहीं?

शादी के मेनू में मौजूद पनीर बटर मसाला, शाही पनीर, पनीर लबाबदार आपको खाने में टेस्टी और दिखने में हेल्दी लग सकता है। मगर इसकी दिखावट पर न जाएं। इसके अंदर काफी सारा ऑयल, फैट, तेज मसाले और कार्ब्स होते हैं। छंजनतम.बवउ पर मौजूद अध्ययन कहता है कि हाई फैट डाइट से मोटापा, फैटी लिवर जैसी जिगर की बीमारी, हाई कोलेस्ट्रॉल और हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ता है। अगर रात की शादी में उड़द दाल से बने दही वड़े या दही भल्ला खा रहे हैं तो सावधान हो जाएं। यह टेस्टी और ठंडक देने वाला फूड आइटम पेट पर बहुत भारी पड़ सकता है। आयुर्वेद उड़द दाल को पचने में भारी मानता है, जिसे खाने के तुरंत बाद सोने से गैस, एसिडिटी, अफारा, पेट दर्द हो सकता है। अगर आपके खाने और सोने के बीच कम से कम 3 घंटे का फर्क नहीं है तो शादी में फल–फ्रूट खाने से बचें। आयुर्वेद इसे अनहेल्दी मानता है और पेट की दिक्कतों की वजह मानता है। साथ ही ठंडी तासीर वाले फल कफ, खांसी, जुकाम का खतरा भी बढ़ा सकते हैं। अगर आप पूरी तरह से हेल्दी हैं तो कभी–कभी नान या कुल्चा खाना ठीक है। लेकिन अगर आपको फैटी लिवर, मोटापा, बेली फैट, हार्ट डिजीज या डायबिटीज है तो इससे पूरी तरह दूर हो जाएं।

भारतीय बल्लेबाजों को भी हुआ फायदा

भारतीय बल्लेबाजों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में मजबूत प्रदर्शन के बाद फायदा हुआ है। यशस्वी जायसवाल दूसरी पारी में 161 रनों की शानदार पारी खेलने के बाद दो स्थान की छलांग लगाकर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। हालांकि, जो रूट 78 रेटिंग अंक के बड़े अंतर के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं, जबकि ऋषभ पंत शीर्ष 10 में एक अन्य भारतीय हैं।

जसप्रीत बुमराह के सिर पर नंबर 1 का ताज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। करिश्माई भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज माने जाते हैं। अब वह बुधवार को जारी की गई नई आईसीसी रैंकिंग में नंबर 1 टेस्ट गेंदबाज बन गए हैं। भारतीय स्टार ने दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा को हटाते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया है और दो स्थानों की छलांग लगाई है। भारतीय गेंदबाज पहले तीसरे स्थान पर थे। लेकिन उन्होंने चल रही बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच में आठ विकेट लिए, जिससे उनकी रेटिंग 883 हो गई है। अब वह दूसरे स्थान पर मौजूद कगिसो रबाडा से 11 रेटिंग अंक आगे हैं। जोश हेजलवुड, जिन्होंने पहले टेस्ट में पांच विकेट लिए वह एक स्थान गिरकर अब तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। पर्थ टेस्ट नहीं खेलने के बावजूद रविचंद्रन अश्विन एक स्थान ऊपर यानी चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस मैच में सिर्फ तीन विकेट लेने के बाद शीर्ष पांच से बाहर हो गए हैं। नाथन लियोन भी एक स्थान गिरकर आठवें नंबर पर आ गए हैं। विराट कोहली ने भी अपनी रैंकिंग में काफी सुधार किया है और अब वह आईसीसी पुरुष टेस्ट बैटिंग रैंकिंग में 13वें स्थान पर हैं। पर्थ टेस्ट में शतक लगाने के बाद कोहली ने 9 स्थान की छलांग लगाई है।

टॉप ऑर्डर बल्लेबाज शुभमन गिल पिंक बॉल मैच से बाहर!

एडिलेड टेस्ट से पहले टीम इंडिया को करारा झटका

क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय टीम के टॉप ऑर्डर बल्लेबाज शुभमन गिल अंगूठे की चोट से उबर नहीं पाए हैं और 30 नवंबर से कैनबरा में शुरू होने वाले प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ दो दिवसीय पिंक बॉल वॉर्म–अप मैच से बाहर हो गए हैं। यह चोट गिल को पर्थ में प्रैक्टिस मैच के दौरान लगी थी। हालांकि, 6 दिसंबर से एडिलेड में शुरू होने वाले पिंक बॉल टेस्ट में खेलने को लेकर अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है।

दरअसल, बीसीसीआई के सूत्रों के अनुसार कि जब तक गिल पूरी तरह से ठीक नहीं हो जाते, तब तक वह बैटिंग नहीं करेंगे। उनका खेलना एडिलेड टेस्ट से ठीक पहले तय किया जाएगा। टाइम्स ऑफ इंडिया को एक सूत्र ने ये जानकारी दी कि गिल को चोट लगने के बाद मेडिकल

स्पेशलिस्ट ने 10–14 दिन आराम करने की सलाह दी थी। वह वीकेंड पर अभ्यास मैच में नहीं खेलेंगे और दूसरे टेस्ट में भी उनका खेलना संदिग्ध है। देखते हैं कि उनकी चोट कितनी ठीक हुई है, उनकी उंगली कैसी महसूस होती है। चोट ठीक होने के बाद भी उन्हें टेस्ट मैच खेलने से पहले कुछ बेहतरीन अभ्यास की जरूरत होगी। हाल ही में, मुंबई और भारतीय टीम के पूर्व चयनकर्ता जतिन परांजपे ने कहा था कि चोट के कारण गिल दो से तीन टेस्ट मैच मिस कर सकते हैं।

गिल की गैरमौजूदगी में पर्थ टेस्ट में देवदत्त पडिक्कल को नंबर 3 पर मौका दिया गया था। पहली पारी में वह बिना कोई रन बनाए 23 गेंदों पर आउट हो गए। हालांकि, दूसरी पारी में उन्होंने 71 गेंदों पर 25 रन बनाए और केएल राहुल के साथ 74 रनों की साझेदारी की। दोनों बार वह जोश हेजलवुड का शिकार बने। ऐसे में दूसरे टेस्ट में देवदत्त की फॉर्म ने टीम इंडिया की चिंता बढ़ा दी। अगर शुभमन गिल समय पर फिट नहीं होते हैं, तो केएल राहुल नंबर 3 पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। राहुल ने पर्थ टेस्ट में 103 रन बनाए थे, जिसमें दूसरी पारी में एक शानदार अर्धशतक शामिल है। राहुल के ओपनिंग की संभावना कम है क्योंकि रोहित शर्मा टीम में वापस आ गए हैं। रोहित पर्थ टेस्ट से बाहर थे क्योंकि वह निजी कारण के चलते छुट्टी पर थे। हालांकि, अगर राहुल और यशस्वी जायसवाल की ओपनिंग जोड़ी को फिर से मौका दिया गया तो यह एक बड़ा फैसला होगा, क्योंकि दोनों ने पर्थ में रिकॉर्ड साझेदारी की थी।

पाकिस्तान में खेली जा रही सीरीज को बीच में छोड़कर स्वदेश लौटी श्रीलंकाई टीम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन किस देश में होगा, इसको लेकर लगातार बवाल जारी है। इससे पहले ही पाकिस्तान क्रिकेट टीम के हालात बदतर होते जा रहे है। इसकी वजह इस्लामाबाद में चल रहे राजनीतिक विरोध प्रदर्शन है, जिसका असर खेलों पर पड़ता दिख रहा है। इस विरोध के चलते श्रीलंकाई ए टीम ने पाकिस्तान में खेली जा रही वनडे सीरीज को बीच में छोड़कर अपने घर जाने का फैसला लिया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि उन्होंने इस बारे में श्रीलंकाई बोर्ड से बातचीत की थी।

दरअसल, पीसीबी ने ये कंफर्म किया कि श्रीलंकाई बोर्ड से बातचीत के बाद पाकिस्तान शाहीन बनाम श्रीलंका ए के बीच बाकी दो वनडे मैच को पोस्टपोन कर दिया गया। पोस्टपोन मैच रावलपिंडी में बुधवार और शुक्रवार को खेले जाएंगे। इससे पहले पाकिस्तान शाहीन ने मेहमान टीम को 108 रन से मात दी थी। पीसीबी ने इस दौरान कहा कि दोनों बोर्ड साथ में मिलकर नई तारीख फाइनल करेंगे कि कब सीरीज पूरी की जाएगी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ ने मुख्य इस्लामाबाद की ओर विरोध मार्च शुरू कर दिया है। प्रदर्शनकारियों और कानून प्रवर्तन और सुरक्षा बलों के बीच झड़प और हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं।

इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर पीटीआई कार्यकर्ता और उनके समर्थक इस्लामाबाद तक प्रोटेस्ट मार्च निकाल रह थे। सरकार ने उन्हें रास्ते में रोकने की कोशिश की, जिसके बाद इमरान समर्थक उग्र हो गए।

16 साल से नहीं बदली पाकिस्तान की कहानी

साल 2009 – पाकिस्तान की कहानी 16 साल से बदली नहीं है। साल 2009 में श्रीलंकाई टीम जब पाकिस्तान दौरे पर थी तो श्रीलंका टीम की बस पर हमले के कारण टेस्ट के बीच में ही अचानक रद्द कर दिया गया था। यह भारत के पाकिस्तान दौरे की एक प्रतिस्थापन श्रृंखला थी, जिसे मुंबई हमलों के कारण रद्द कर दिया गया था।

आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन को लेकर 29 नवंबर को बैठक बुलाई है। इस बैठक में पाकिस्तान द्वारा हाइब्रिड मॉडल को खारिज करने और भारत के पाकिस्तान की यात्रा ना करने के मसले पर समाधान तलाशने की कोशिश की जाएगी।

बेवन जैकब्स को मुंबई इंडियंस ने बेस प्राइस में खरीदा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के अनकैप्ड खिलाड़ी बेवन जैकब्स ने स्वीकार किया कि आईपीएल 2025 मेगा नीलामी में मुंबई इंडियंस ने उन्हें खरीदा तो वह हैरान रह गए। जैकब्स ने बताया कि उन्हें पहले लगा कि परिवार वाले उन पर प्रैंक कर रहे हैं क्योंकि क्रिकेटर ने नीलामी देखने से खुद को रोकने के लिए मोबाइल बंद कर लिया था। बता दें कि जेद्दा में संपन्न दो दिवसीय आईपीएल 2025 मेगा नीलामी में मुंबई इंडियंस ने जैकब्स को उनकी बेस प्राइस 30 लाख रुपये में खरीदा था। कई लोगों को इस फैसले पर हैरानी हुई, लेकिन सबसे ज्यादा अचंभित खुद 21 साल के खिलाड़ी हुए। न्यूजीलैंड में ऑकलैंड और कैंटरबरी के लिए लिस्ट ए व टी20 क्रिकेट खेलने वाले बेवन जैकब्स के हवाले से रॉयटर्स ने बताया कि उन्हें मौका मिलने की उम्मीद नहीं थी और अगले दिन सुबह ट्रेनिंग थी तो उन्होंने जल्दी सोने जाने का फैसला लिया था।

न्यूज डायरी

वंडर बॉय, एक ओवर में 6 बाउंड्री, विश्व विजेता कप्तान, अब अनसोल्ड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के हर सीजन की तरह इस बार भी ऑक्शन में तमाम खिलाड़ी करोड़ों में बिके। कई धाकड़ अनसोल्ड भी रह गए। उनमें सबसे हैरान करने वाला नाम पृथ्वी शॉ का रहा। अंडर–19 विश्व कप विजेता की कप्तान का नहीं बिकना हैरान करने वाला रहा। वह टैलेंटेड खिलाड़ी, विस्फोटक ओपनर और गरीबी से इस लेवल तक पहुंचने वाले हैं, लेकिन एक ओर जहां उनके साथ शुभमन गिल गुजरात टाइटंस के कप्तान हैं तो अभिषेक शर्मा सनराइजर्स हैदराबाद में 14 करोड़ करोड़ में रिटेन हुए। उनके एक और साथी रियान पराग को राजस्थान रॉयल्स ने 14 करोड़ रुपये में रिटेन किया तो पृथ्वी शॉ को 75 लाख की बेस प्राइस में किसी ने पूछा तक नहीं। पूरा सीन देखेंगे तो लगेगा कि पृथ्वी जितनी तेजी से ऊपर गए थे उतनी ही तेजी से नीचे गिर पड़े हैं। टीम इंडिया से बाहर हैं। अनुशासनात्मक और फिटनेस की वजहों से मुंबई रणजी ट्रॉफी टीम की प्लेइंग–11 से बाहर किए गए तो अब इंडियन प्रीमियर लीग में अनसोल्ड रहने से बड़ा झटका लगा है। दिल्ली कैपिटल्स में पिछले सीजन तक उनके गुरु रहे रिकी पोंटिंग इस बात से हैरान हैं। हालांकि, साथ ही उन्होंने अपने एक बयान में आईपीएल ऑक्शन को ही कटघरे में खड़ा कर दिया है। अब पंजाब किंग्स से जुड़ चुके रिकी पोंटिंग ने कहा– दुखी हूं। पृथ्वी को लेकर आज भी यही कहूंगा कि जिन खिलाड़ियों के साथ मैंने काम किया उनमें से वह एक टैलेंटेड प्लेयर हो।

28 गेंद के शतक से तोड़ा उर्विल ने ऋषभ पंत का रिकॉर्ड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इंदौर। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024 में 27 नवंबर यानी बुधवार को गुजरात और त्रिपुरा के बीच मुकाबला खेला गया। यह मैच गुजरात बड़ी आसानी के साथ 8 विकेट से जीत गई है। हालांकि गुजरात की इस जीत में 26 साल के विध्वंसक बैटर उर्विल पटेल ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने महज 28 गेंद में टी20 फॉर्मेट का दूसरा सबसे तेज शतक ठोक डाला है। इस फॉर्मेट में सबसे तेज सेंचुरी का रिकॉर्ड एस्टोनिया के साहिल चौहान के नाम है। उन्होंने 28 बॉल में यह कारनामा किया था। ओपनिंग करने उतरे उर्विल पटेल ने इस मैच में 35 गेंद का सामना कर 322 के तूफानी स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 113 रन ठोके। इस दौरान उन्होंने 7 चौके और 12 छक्के उड़ाए। आखिर कौन है यह सूरमा, आइये जानते हैं। गुजरात के मेहसाणा में 1998 में उर्विल पटेल का 17 अक्टूबर को जन्म हुआ था। हालांकि उनके बारे में ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है। लेकिन उर्विल ने अपना टी20 डेब्यू 2017–18 में बड़ौदा के लिए जोनल टी20 लीग में किया था। पटेल ने अपना लिस्ट ए डेब्यू भी इसके ठीक एक महीने बाद कर लिया थो। 2018–19 के रणजी ट्रॉफी सीजन से पहले उर्विल पटेल बड़ौदा को छोड़कर गुजरात की टीम में शिफ्ट हो गए थे। बता दें कि उर्विल एक विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। उनको 2023 के आईपीएल ऑक्शन में गुजरात टाइटंस ने 20 लाख रुपये में खरीदा था।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेलने के लिए भारत को जीतने होंगे चार मैच

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हराकर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। पर्थ टेस्ट में जीत के साथ टीम इंडिया पांच मैच की सीरीज में 1–0 से आगे है। इस जीत के साथ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप प्वाइंट्स टेबल में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया से नंबर–1 का ताज छीन लिया है। टीम इंडिया कैसे डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंच सकती है? आइए इस सिनेरियो पर नजर डाल लेते हैं। पहली जीत से डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने का रास्ता पूरी तरह से अभी साफ नहीं हुआ है। टीम इंडिया को डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने के लिए सीरीज के सभी मैच जीतने होंगे। भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बाकी चारों मैच जीतने होंगे। अगर टीम इंडिया ऐसा कर लेती है तो जीत प्रतिशत 69.30 हो जाएगा। ऐसे में भारतीय टीम फाइनल के लिए अपना टिकट कटा लेगी। अगर टीम इंडिया ये सीरीज 4–1 से जीतती है तो जीत का प्रतिशत 64.04 हो जाएगा। वहीं, टीम इंडिया बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी 3–2 से जीत जाती है तो 58 प्रतिशत पहुंच जाएगी।

पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

मुख्य सचिव ने मदन लाल प्रसाद को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई

संवाददाता देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सचिवालय में उत्तराखण्ड विद्युत नियामक आयोग में अध्यक्ष के रूप में मदन लाल प्रसाद को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम भी उपस्थित थे।

पुलिस मार्डन स्कूल देहरादून ने जीती ओवर ऑल प्रतियोगिता

संवाददाता देहरादून। छठवीं अंतर पुलिस मार्डन स्कूल खेलकूद प्रतियोगिता के समापन पर डीएम सविन बंसल ने विजेताओं को पुरस्कार दिए। प्रतियोगिताओं में पुलिस मॉर्डन स्कूल ओवर ऑल विजेता घोषित किया गया। बीते 25 नवंबर को पुलिस लाइन में शुरू हुई प्रतियोगिता का बुधवार का समापन हुआ। इस मौके पर डीएम सविन बंसल ने होनहार बच्चों को खेलों के महत्व की जानकारी दी। कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ्य रखते हैं, बल्कि ये टीमवर्क, अनुशासन और आत्मसम्मान की भावना भी विकसित करते हैं। उन्होंने छात्रों को खेलों में बढ़–चढ़कर भाग लेने तथा खेलों को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिये प्रोत्साहित किया। एसएसपी अजय सिंह ने सभी प्रतिभागियों को उनकी मेहनत, समर्पण तथा खेल भावना के लिये बधाई दी।

अवैध निर्माण को लेकर एनएसयूआई का एमडीडीए दफ्तर पर प्रदर्शन

संवाददाता ऋषिकेश। नगर क्षेत्र में अवैध निर्माणों पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। उन्होंने एमडीडीए कार्यालय का घेराव करते हुए अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए। कहा कि नियमों के विरूद्ध निर्माणों से नगर क्षेत्र में हादसों का खतरा बढ़ गया है, लेकिन विभाग कार्रवाई नहीं कर रहा है। चेताया कि एमडीडीए ने अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई न की तो आंदोलन किया जाएगा।

गंगा में कूदे छात्र का नहीं लगा सुराग

संवाददाता ऋषिकेश। शहर में बहात्तर सीढ़ी घाट से संदिग्ध परिस्थितियों में गंगा में छलांग लगाने वाले छात्र की तलाश को एसडीआरएफ ने तलाशी अभियान चलाया। बुधवार सुबह से लेकर शाम तक चले अभियान में छात्र का कोई सुराग नहीं लगा। अंधेरा होने की वजह से एसडीआरएफ को अभियान रोकना पड़ा। गुरुवार सुबह फिर से गंगा में छात्र की तलाश की जाएगी।

सड़क सुधारीकरण के निर्देशों को महज औपचारिकताएं न समझें विभाग: डीएम

निर्देश

■ सड़कों के सुधारीकरण का कार्य शुरू करें विभाग, जन सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, निरंतर किया जा रहा है पर्यवेक्षण

■ सड़क सुधारीकरण को लेकर स्पीडब्रेकर, जेब्रा क्रासिंग, डिवाईडर बनाने की प्रक्रिया शुरू

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में निर्माण कार्यों को लेकर कार्य दायी संस्थाओं कार्यदायी संस्थाओं लो नि वि, एन एच, एनएचआई, के अधिकारियों के साथ ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में निर्माण कार्यों के संबंध में बैठक ली। डीएम ने अधिकारियों को सख्त शब्दों में निर्देश दिए कि सर्वप्रथम सड़क सुरक्षा के कार्य ही प्रस्तावित किए जाएंगे अन्य कार्य दूसरी प्राथमिकता में रखें।

जिलाधिकारी ने कहा कि हर एक जीवन अमूल्य है, सड़क सुधारीकरण के निर्देशों को महज औपचारिकताएं न समझें विभाग, सड़क सुरक्षा से तात्पर्य क्रास बेरियर नहीं, समुचित सड़क का सुधारीकरण किया जाना आवश्यक है। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, क्रास बेरियर तक सीमित न रहे विभाग, सड़क सुरक्षा हेतु किये जाने है ठोस प्रबन्ध।

इस दौरान न के अधिकारियों ने नेपाली फार्म से दाल वाला तक एलिवेटेड रोड, अजबपुर से मोकमपुर तक एलिवेटेड रोड के प्रस्तुतीकरण किया। एनएच देहरादून द्वारा लेहमन चौक, बाडवाला आदि क्षेत्रों में किए गए सड़क सुधारीकरण कार्यों की जानकारी दी लोनिवि के अधिकारियों ने बताया कि कारगी चौक से लालपुर तक कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं, जिस पर डीएम ने करगी चौक सुधारीकरण कार्यों के भी प्रस्ताव मांगे।

जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस द्वारा शहर के संयुक्त निरीक्षण के उपरान्त चौराहों के सुधारीकरण एवं जनमानस हेतु व्यवस्थाएं सुगम बनाये जाने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए गए थे, इसके उपरान्त सड़क सुरक्षा की बैठक में सड़क सुधारीकरण एवं चौराहों के सौन्दर्यीकरण तथा यातायात सुगमता के प्रस्ताव प्रस्तुत करने को निर्देशित किया गया था।

बैठक में शहर में अंडरपास तथा अंडर पार्किंग की जानकारी लेते हुए शीघ्र प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए, साथ ही निर्देशित किया कि चौराहो के चौड़ीकरण तथा सड़क सुधारीकरण के कार्यों को सड़क सुरक्षा में क्लब करते हुए उनकी ओर से शासन को धन की स्वीकृति हेतु प्रस्ताव प्रेषित करें। उन्होंने निर्देशित किया कि जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में क्रॉस बैरियर लगने हैं, उनके जल्द प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत सुझाए गए कार्यों का वह जल्द ही फील्ड विजिट करेंगे।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क सुरक्षा की दृष्टिगत स्टॉप लाइन जेबरा क्रॉसिंग आदि का कार्य तत्काल शुरू करें इसके लिए 20 लाख की राशि दी गई है तथा 15 लाख की राशि तत्काल दी जाएगी, उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता से पूर्ण किया जाना है इसके लिए धन की कोई कमी होने नहीं दी जाएगी। वहीं डीएम के निर्देश पर वाहनों की स्पीड पर ब्रेक लगाने हेतु स्पीड ब्रेकर बनाने की कार्यवाही शुरू हो गई है।

सड़क सुरक्षा के प्रस्ताव दो दिन के भीतर प्रस्तुत करें

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए की विभाग सड़क सुरक्षा के कार्यों का आगमन तैयार कर ले जिन्हें धन की स्वीकृत हेतु जल्द शासन को प्रेषित किया जाएगा. उन्होंने निर्देशित किया कि सड़क सुरक्षा को लेकर जो महत्वपूर्ण कार्य है, उन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखें। डीएम ने विभागों को निर्देश दिए कि सड़क सुरक्षा से संबंधित प्रस्ताव दो दिन के भीतर प्रस्तुत करें।

हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम की भावना पर आधारित: सीएम

कुम्भ कॉन्क्लेव

■ सीएम ने किया कुम्भ कॉन्क्लेव के समापन समारोह को संबोधित

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में आयोजित तृतीय कुम्भ कॉन्क्लेव के समापन समारोह को वर्चुअल रूप से संबोधित किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह कुंभ कॉन्क्लेव भारतीय सनातन संस्कृति, सभ्यता और आध्यात्मिकता के मूल्यों को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करने का एक प्रभावशाली मंच है। जिसके आयोजन के लिए मुख्यमंत्री ने इंडिया थिंक काउंसिल का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्रिवेणी की ये भूमि गंगा, यमुना और सरस्वती जैसी पवित्र नदियों की संगम स्थली के साथ हमारी सनातन संस्कृति, आस्था और आध्यात्मिक परंपराओं का भी संगम है। यहां होने वाला कुंभ धार्मिक स्नान, पाप मुक्ति के साथ ही व्यक्ति को आत्मिक, वैचारिक और मानसिक शुद्धि भी प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन धर्म संस्कृति मात्र एक पूजा–पद्धति नहीं बल्कि जीवन जीने का एक ऐसा मार्ग है, जिसमें प्रत्येक प्राणी के कल्याण की भावना निहित है। हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम की भावना पर आधारित है। कुंभ का आयोजन भी हमारी इसी विचारधारा का प्रतीक है, जहां देश–विदेश से लाखों लोग बिना किसी भेदभाव के संगम में डुबकी लगाकर आत्मिक शांति प्राप्त करते हैं। कुम्भ मेले के माध्यम से हम अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भावी पीढ़ियों तक भी पहुंचाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुंभ के आयोजन में विश्वभर से लोग भारतीय संस्कृति, योग, आयुर्वेद और आध्यात्मिकता के रहस्यों को जानने और समझने हेतु आते हैं। इससे भारतीय संस्कृति का प्रचार–प्रसार होता है।

महाकुंभ का आयोजन भी भव्य और ऐतिहासिक होगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में तीर्थ स्थलों के विकास और कल्याण की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। जिसके बाद देश में बड़े बदलाव हुए है। उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सनातन संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है। निश्चित ही उन्हीं के नेतृत्व में होने जा रहे महाकुंभ का आयोजन भी भव्य और ऐतिहासिक होगा। उन्होंने कहा कुंभ जैसे आयोजन हमें अपनी जड़ों से जुड़ने में मदद करते हैं और हमें समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए भी प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा निश्चित ही प्रयागराज में होने जा रहा महाकुंभ भारतीय संस्कृति के प्रचार–प्रसार की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

विशेष वित्तीय सहायता के लिए सीएम ने जताया केंद्र का आभार

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्र सरकार की ओर से उत्तराखंड को 'स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट फॉर कैपिटल इनवेस्टमेंट 2024 – 25 योजना' के तहत 66 करोड़ रुपए का विशेष लोन जारी करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय में तीर्थनगरी ऋषिकेश में पयर्टन विभाग के अधीन विभिन्न परियोजनाओं के लिए योजना के तहत कुल 100 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं, जिसमें से प्रथम किशत के रूप में 66 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। जबकि दूसरी किशत के 34 करोड़ रुपए, प्रथम चरण की सहायता 75 प्रतिशत तक खर्च करने पर जारी की जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लंबे समय से इस विशेष वित्तीय सहायता के लिए प्रयासरत थे, उनकी इस बारे में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से बात भी हो चुकी थी। सीएम ने इसके लिए केंद्र का आभार व्यक्त किया है, प्राप्त वित्तीय सहायता से सरकार ऋषिकेश को पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून
ही मान्य होगा।